



॥ शनिवार का व्रत किन राशियों के लिए
उपयुक्त है? ॥

॥ जय शनिदेव महाराज ॥

FULL DISCLAIMER

This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.

This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.

Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.

Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.

Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS
AT YOUR DOOR"

॥ शनिवार का व्रत किन राशियों के लिए उपयुक्त है? ॥

ज्योतिषीय मान्यता के अनुसार शनिवार का दिन शनिदेव को समर्पित है। शनि को कर्म, न्याय, अनुशासन, धैर्य, संघर्ष और जिम्मेदारी का कारक माना जाता है। इसलिए शनिवार का व्रत विशेष रूप से उन जातकों के लिए उपयोगी माना जाता है जिनकी कुंडली में शनि कमजोर या पीड़ित हो।

मकर राशि

मकर राशि के स्वामी शनि देव हैं। इसलिए शनिवार की उपासना इस राशि के जातकों के लिए विशेष रूप से अनुकूल मानी जाती है।
लाभ: करियर में स्थिरता, कठिनाइयों से लड़ने की क्षमता और आर्थिक अनुशासन।

कुंभ राशि

कुंभ राशि के स्वामी भी शनि हैं। शनिवार व्रत और शनिदेव की पूजा से जीवन में धैर्य और स्थिरता बढ़ाने की कामना की जाती है।
लाभ: कार्यक्षेत्र में प्रगति, मानसिक दृढ़ता और बाधाओं से निपटने की शक्ति।

तुला राशि

ज्योतिष में तुला राशि में शनि उच्च का माना जाता है। इसलिए शनि से संबंधित शुभ साधना इस राशि के लिए अनुकूल मानी जा सकती है।
लाभ: करियर, प्रतिष्ठा, न्याय संबंधी मामलों और जिम्मेदारियों में संतुलन।

वृषभ राशि

वृषभ राशि के जातक यदि शनि से संबंधित कुंडली दोष या कठिन दशा का सामना कर रहे हों, तो शनिवार की पूजा और सेवा को उपाय के रूप में अपनाया जा सकता है।

लाभ: आर्थिक अनुशासन और कार्यक्षेत्र में स्थिरता।

मिथुन राशि

मिथुन राशि के जातक भी शनि की कठिन दशा या गोचर के समय शनिवार को शनिदेव की पूजा कर सकते हैं।

लाभ: मानसिक धैर्य, निर्णय क्षमता और काम में स्थिरता।

किन परिस्थितियों में शनिवार व्रत विशेष रूप से किया जाता है?

राशि के अलावा जन्म कुंडली में शनि की स्थिति अधिक महत्वपूर्ण मानी जाती है। विशेषकर:

शनि की साढ़ेसाती चल रही हो।

शनि की ढैय्या चल रही हो।

शनि महादशा या अंतरदशा चल रही हो।

शनि जन्म कुंडली में कमजोर या पीड़ित हो।

नौकरी या व्यवसाय में बार-बार बाधाएँ आ रही हों।

जीवन में लगातार विलंब, संघर्ष या अस्थिरता महसूस हो रही हो।

शनिवार का सरल मंत्र

ॐ शं शनैश्वराय नमः॥

शनिवार को श्रद्धापूर्वक इस मंत्र का जाप किया जा सकता है।